

एंटीबायोटिक का कोर्स

घाव, हड्डी या जोड़ के संक्रमण के लिए

आपकी एंटीबायोटिक:

दिन में बार, दिन तक। आखिरी दिन:

पूरा कोर्स खत्म करें

संक्रमण पूरी तरह ठीक होने से बहुत पहले ही आपको अच्छा लगने लगेगा — खासकर हड्डी और जोड़ के संक्रमण में, जिनमें हफ्तों का इलाज लगता है। बीच में छोड़ने पर बचे हुए कीटाणु और ताकतवर होकर लौटते हैं, और फिर दवा असर नहीं करती।
पूरी तरह ठीक महसूस होने पर भी कोर्स पूरा करें।

लेने का तरीका

- खुराकों के बीच **बराबर अंतर रखें** — दिन में दो बार यानी लगभग 12 घंटे के अंतर पर, तीन बार यानी लगभग 8 घंटे पर। अलार्म लगाएँ।
- ज्यादातर एंटीबायोटिक **खाने के साथ या तुरंत बाद** लेना बेहतर है, खासकर Augmentin या Clavam, जो खाली पेट पर तकलीफ देती है।
- खुराक भूल जाएँ तो याद आते ही ले लें — पर अगली खुराक का समय पास हो तो छोड़ दें। दो खुराक एक साथ कभी न लें।
- बची हुई एंटीबायोटिक अगली बार के लिए न रखें**, किसी और को न दें, और किसी और की दवा न लें।

दस्त (लूज मोशन)

एंटीबायोटिक से हल्के दस्त होना आम बात है। खूब पानी और तरल लें, दही लें।

पर अगर दस्त तेज हों, पानी जैसे हों, उनमें खून आए, या साथ में बुखार और पेट में मरोड़ हो तो हमसे संपर्क करें। ऐसे में दस्त रोकने की दवा अपने मन से न लें — इससे हालत खतरनाक हो सकती है।

तुरंत अस्पताल जाएँ अगर

चेहरा, होंठ या जीभ सूज जाए • सांस लेने में तकलीफ हो • पूरे शरीर पर चकते निकलें • चमड़ी पर फफोले या चमड़ी उतरना •
मुँह या आँखों में छाले
ये गंभीर एलर्जी के लक्षण हो सकते हैं। **बाद में उस एंटीबायोटिक का नाम याद रखें और आगे हर डॉक्टर को बताएँ।**

